PARSHWANATH VIDYAPEETH

CATALOGUE 2014-15

प्रकाशन-सूची 2014-15

I.T.I. Road, Karaundi
P.O. - B.H.U.
Varanasi-221005 (U.P.)
India

e-mail : pvpvaranasi@gmail.com
Web. : www.pv-edu.in
Phone No. : 0542-2575890

Parshwanath Vidyapeeth

(Recognized by Banaras Hindu University as an External Research Centre)
(Established in 1937)
I.T.I. Road, Karaundi, Varanasi -221005
Ph. 0542- 2575890
E-mail: pvpvaranasi@gmail.com

प्रकाशन-सूची

२०१४-१५

१. जैन धर्म के आगमिक ग्रन्थ एवं व्याख्या:

1. **आचाराङ्गसूत्र : एक अध्ययन** - (ग्रं०मा०सं० ३७); लेखक : डॉ० परमेष्ठीदास जैन; प्रथम संस्करण १९८७; पृष्ठ : २९, १७७; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।
2. **दशाश्रुतस्कन्धनिर्युक्ति : एक अध्ययन** (मूल, संस्कृतच्छाया, हिन्दी अनुवाद सहित) - (ग्रं०मा०सं० १०१) (I.S.B.N. 81-86715-26-६); अनुवादक : डॉ० अशोक कुमार सिंह; प्रथम संस्करण १९९८; पृष्ठ : २३०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १२५.००।
३. **उत्तराध्ययनसूत्र: एक परिशीलन (गुजराती)** - (ग्रं०मा०सं० १३५)(I.S.B.N. 81-86715-64-9); लेखक : डॉ० सुदर्शनलाल जैन; अनुवादक : प्रो० अरुण शान्तिलाल जोशी; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : १६, ५३२; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ३००.०० ।
४. **उत्तराध्ययनसूत्र : एक परिशीलन (हिन्दी)** - (ग्रं०मा०सं० १७३) (I.S.B.N. 978-93-81571-10-1); लेखक : डॉ० सुदर्शनलाल जैन; द्वितीय संस्करण २०१२; पृष्ठ : १६, ५३२; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ६००.००।
5. **ऋषिभाषित का दार्शनिक अध्ययन -साध्वी डा० प्रमोद कुवर**; प्रथम संस्करण २००९; पृष्ठ : १८८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ९०.००।
6. **KṢĀYAPĀHUḌA** (Chapters on Passion)- English translation by *Dr. N. L. Jain*; First Edition 2006; Pages. xii, 342; Size-Demy; Hard Bound, Price Rs. 300.00.

2. धर्म एवं दर्शन:

1. **जीवन दर्शन** - (ग्रं०मा०सं० ९); लेखक : गोपीचन्द्र धाड़ीवाल; प्रथम संस्करण १९६७; पृष्ठ : ९, ९८; आकार : क्राउन; अजिल्द, मूल्य : रु० ३०.००।
2. **आत्ममीमांसा** -(ग्रं०मा०सं० १०); लेखक : पं० दलसुख मालवणिया; प्रथम संस्करण १९५३; पृष्ठ : ६, १५२; आकार : क्राउन; अजिल्द, मूल्य : रु० ७५.००।
३. **स्वाध्याय** - (ग्रं०मा०सं० १४, लघु); लेखक : महात्मा भगवानदीन; प्रथम संस्करण १९५७; पृष्ठ : ८, १९२; आकार : क्राउन; सजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।
४. **जैन धर्म-दर्शन** -(ग्रं०मा०सं० १९); लेखक : डॉ० मोहनलाल मेहता; प्रथम संस्करण १९९९; पृष्ठ : ११+६०५; आकार : क्राउन; सजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।
5. **तत्त्वार्थसूत्र** (विवेचन सहित) - (ग्रं०मा०सं० २२); उमास्वाति; विवेचक : पं० सुखलाल संघवी : डॉ० मोहनलाल मेहता व श्री जमनालाल जैन; पंचम संस्करण २००१; पृष्ठ : २६, १३७, २७८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।
6. **आनन्दघन का रहस्यवाद** - (ग्रं०मा०सं० २८); लेखिका : साध्वी श्री सुदर्शना श्री जी; प्रथम संस्करण १९८३; पृष्ठ : ३४२, १६; आकार : डिमाई; सजिल्द / अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।
7. **जैन दर्शन में आत्म विचार** - (ग्रं०मा०सं० ३१); लेखक : डॉ० लालचन्द जैन; प्रथम संस्करण १९८४; पृष्ठ : ८, ३१८, ४; आकार : डिमाई; सजिल्द/अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।
८. **धर्म का मर्म** - (ग्रं०मा०सं० ३६); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; द्वितीय संस्करण १९८४; पृष्ठ ७, ५१; आकार : डबल क्राउन; अजिल्द, मूल्य : रु० ४०.००।
9. **स्याद्वाद और सप्तभंगीनय (आधुनिक व्याख्या)** - (ग्रं०मा०सं० ४७); लेखक : डॉ० भिखारीराम यादव; प्रथम संस्करण १९८९; पृष्ठ : ४४, २३०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १४०.००।
१०. **अनेकान्तवाद, स्याद्वाद और सप्तभंगी : सिद्धान्त और व्यवहार** - (ग्रं०मा०सं० ५२); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९९; पृष्ठ ४३; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३०.००।

11. जैन कर्म सिद्धान्त का उद्भव और विकास – (ग्रं०मा०सं० ६५); लेखक : डॉ० रवीन्द्रनाथ मिश्र; प्रथम संस्करण १९९३; पृष्ठ : ११, २४८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।

12. तत्त्वार्थसूत्र और उसकी परम्परा – (ग्रं०मा०सं० ६७); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९४; पृष्ठ : १४७; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।

13. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति (भाग १) (लेखों का संग्रह)– (ग्रं०मा०सं० ७०); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९४; पृष्ठ : ३२, २६४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

१४. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति (भाग २) (लेखों का संग्रह)– (ग्रं०मा०सं० ७८); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : १७६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

15. बौद्ध प्रमाणमीमांसा की जैन दृष्टि से समीक्षा – (ग्रं०मा०सं० ८१); लेखक : डॉ० धर्मचन्द जैन; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : १२, ४३९; आकार : डिमाई; सजिल्द/अजिल्द, मूल्य : रु० ३५०.००।

16. अनेकान्तवाद और पाश्चात्य व्यावहारिकतावाद – (ग्रं०मा०सं० ८५); लेखक : डॉ० राजेन्द्र कुमार सिंह; प्रथम संस्करण १९९६; पृष्ठ : १५९, आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

17. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति, (भाग ३) (लेखों का संग्रह)– (ग्रं०मा०सं० ८८); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : ६, २१९; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

18. जैनधर्म में निश्चय और व्यवहार नय : एक अनुशीलन – (ग्रं०मा०सं० ९७) (I.S.B.N. 81-86715-25-8); लेखक : डॉ० रतनचन्द्र जैन; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : २६, २५९; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.०० तथा सजिल्द, मूल्य : रु० २५०.००।

19. जीवसमास – (ग्रं०मा०सं० ९९) (I.S.B.N. 81-86715-36-3); अनुवादिका : साध्वी विद्युतप्रभाश्री; प्रथम संस्करण १९९८; पृष्ठ : ४१, २४४; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १६०.००।

20. पञ्चाध्यायी में प्रतिपादित जैन दर्शन – (ग्रं०मा०सं० १०८) (I.S.B.N. 81-86715-30-4); लेखिका : डॉ० मनोरमा जैन; प्रथम संस्करण १९९८; पृष्ठ : २३४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १२५.००।

21. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति, (भाग ४) (लेखों का संग्रह)– (ग्रं०मा०सं० १२२)(I.S.B.N. 81-86715-46-0); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : ६, १७५; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।

22. जैन दर्शन में नवतत्त्व – (ग्रं०मा०सं० १३४) (I.S.B.N. 81-86715-62-0); लेखिका : साध्वी डॉ० धर्मशीला, प्रथम संस्करण २०००; पृष्ठ : २४, ४४४; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य: रु० ४००.००।

२३. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य पर जैन दर्शन का प्रभाव - (ग्रं०मा०सं० १५०) *(I.S.B.N. 81-86715- 85-1);* लेखक : डा० वी. रमेश गाडिया; प्रथम संस्करण २००७; पृष्ठ : ५८८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ५००.००।

24. जैन अध्यात्मवाद – (ग्रं०मा०सं० १५३) (I.S.B.N. 81-86715-88-6); लेखक : डॉ० श्याम किशोर सिंह; प्रथम संस्करण २००७; पृष्ठ : १६२; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.०० ।

25. कर्म ग्रन्थ, (भाग १-३) – (ग्रं०मा०सं० १५६) (I.S.B.N. 81-86715-91-6); लेखक : पं सुखलाल संघवी; द्वितीय संस्करण २००९; पृष्ठ : २७४; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ४००.००।

26. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति, (भाग ७) (लेखों का संग्रह) – (ग्रं०मा०सं० १५८) (I.S.B.N. 81-86715-93-2); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण २००२; पृष्ठ : ६, १९०; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।

27. जैन दर्शन में कारण-कार्य व्यवस्था– (ग्रं०मा०सं० १५९)(I.S.B.N. 81-86715-94-0); लेखक : डा० श्वेता जैन; प्रथम संस्करण २००९; पृष्ठ : ६५६; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ६००.००।

28. कर्म ग्रन्थ, भाग ४ –(ग्रं०मा०सं० १६०)(I.S.B.N. 81-86715-95-9); लेखक : पं सुखलाल संघवी; द्वितीय संस्करण २००९; पृष्ठ : २३६; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ४००.००।

29. वेदान्त परिभाषा पर न्याय दर्शन के प्रभाव की समीक्षात्मक परीक्षा - (ग्रं०मा०सं० १६४) (I.S.B.N. 81-86715-98-3); लेखक : डा० रामकुमार गुप्त; प्रथम संस्करण २००९; पृष्ठ : १८८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु०३००.००।

30. जैन दर्शन में धर्म का स्वरूप – (ग्रं०मा०सं० १६६) (I.S.B.N. 81-86715-63-0); लेखक : डॉ० के० के० सिंह; प्रथम संस्करण २०१०; पृष्ठ : २४८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

31. कर्म ग्रन्थ, भाग ५- (ग्रं०मा०सं० १६७) (I.S.B.N. 81-86715-83-5); लेखक : पं सुखलाल संघवी; द्वितीय संस्करण २०११; पृष्ठ : २५६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : ४००.०० रु०।

32. न्याय-रत्नसार – रचयिता : आचार्यप्रवर घासीलाल जी; प्रथम संस्करण १९८९; पृष्ठ : ४०, १९८; आकार : डबल क्राउन; सजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।

33. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति, भाग ५, (लेखों का संग्रह)– (I.S.B.N. 81-86715-68-1); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण २००२; पृष्ठ : ६+१९०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।

३४. जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति, भाग ६, (लेखों का संग्रह)-(I.S.B.N. 81-86715-84-3); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण २००२; पृष्ठ : ६, १९०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।

35. सर्वसिद्धान्तप्रवेशकः – अनुवाद : साध्वी रुचिदर्शनाश्रीजी, प्रथम संस्करण २००८; पृष्ठ : ३५, आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३०.००।

36. JAINA PHILOSOPHY - *(S.N. 16); by Mohan Lal Mehta; 2nd Edition 1998; Pages 246; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs.160.00.*

37. JAINA EPISTEMOLOGY- *(S.N. 50) (I.S.B.N 81-86715-13-4); by Dr. Indra Chandra Shastri; 1st Edition 1990; pp. 15, 490, Size: Demy; Paper back, Price Rs. 350.00.*

38. THEORY OF REALITY IN JAINA PHILOSOPHY- *(S.N. 58) (I.S.B.N. 81-86715- 01-0); by Dr. J. C. Sikdar; 1st Edition 1991; Pages 20, 344; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 300.00.*

39. DOCTRINE OF KARMAN IN JAINA PHILOSOPHY - *(S.N. 60) (I.S.B.N. 81-86715-00-2); Dr. H.V. Glasenapp. trans. (Germ. to Eng)*

Mr. G. Barry Giffor, 1st Edition 1942; Pages 26, 284; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 150.00.

40. JAINA PERSPECTIVE IN PHILOSOPHY AND RELIGION - *(S.N. 64) (I.S.B.N. 81-7054-4); by Dr. Ramjee Singh; 1st Edition 1993; Pages 272; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 200.00.*

41. JAINA LITERATURE AND PHILOSOPHY: *A Critical Approach* -*(I.S.B.N. 81- 86715-28-2); by Prof. Sagarmal Jain; First Edition 1999; Pages 41, 118; Size: Double Demy; Paper back, Price Rs. 200.00.*

42. JAINA KARMOLOGY - *(S.N. 109) (I.S.B.N. 81-86715-31-2); by Dr N. L. Jain; 1st Edition 1998; Pages 180; Size: Demy; Hard Bound, Prize Rs. 150. 00 and Paper back, Price Rs. 100.*

43. JAINISM IN A GLOBAL PERSPECTIVE - *(S.N. 113) (I.S.B.N. 81- 86715-37-1), Editted by Prof. Sagarmal Jain & Dr. S. P. Pandey, 1st Edition 1998; Pages 383; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 400.00. $ 19.00.*

44. MULTI-DIMENSIONAL APPLICATION OF ANEKĀNTAVĀDA - *(S.N. 117) (I.S.B.N. 81-86715-31-2); Edited by Dr. S.M. Jain & Dr.S.P. Panday; 1st Edition 1999; Pages 533; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 500.00, $ 20.00.*

45. THE JAIN WORLD OF NON-LIVING - *(S.N. 117) (I.S.B.N. 81-86715-41-X); by Dr. N.L. Jain; 1st Edition 2000; Pages 310; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 400.00: $ 36.00.*

46. PRISTINE JAINISM - *(S.N. 143) (I.S.B.N. 81-86715-75-4); by S.M. Jain; 1st Edition 2003; Pages 105; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 150.00.*

47. UNIVERSAL MESSAGE OF LORD MAHĀVĪRA- *(S.N. 149) (I.S.B.N. 81-86715-83-5);* by *Shri Dulichand Jain*; 1st Edition 2006; Pages 122; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 250.00.

48. JAINS TODAY IN THE WORLD - *(S.N. 152) (I.S.B.N. 81-86715-87-8); by Pierre Paul AMIEL;* 1st Edition 2008; Pages 307; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 500.00.

49. JAINISM: A THEISTIC PHILOSOPHY- *(S.N. 169) (I.S.B.N. 81-86715-62-2); by Dr. Krishna A Gosavi;* 1st Edition 2012; pp.340; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 500.00.

50. **CONCEPT OF MATTER IN JAINA PHILOSOPHY-** *(S.N. 172) (I.S.B.N. 978-93-81571-09-5);* **by *J. C. Sikdar*; 2nd Edition 2012; Pages 376; Size: Demy; Hard Bound, Prize Rs. 500.00.**

51. **STUDIES IN JAINA PHILOSOPHY-** *(I.S.B.N 81-86715-12-6); by Dr. Nathmal Tatia; 2nd Edition 1985; Pages XXXVI, 328; Size: Demy; Hard cloth Bound, Price Rs. 200.00.*

52. **NAVATATTVAPRAKARAṆA -** *English tarns by Dr. Shriprakash Pandey; 1st Edition 1998; Pages 40; Paper back, Price Rs. 40.00.*

3. योग :

1. **जैन योग का आलोचनात्मक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० २३); लेखक : डॉ० अर्हत् दास बण्डोवा दिगे; प्रथम संस्करण १९८१; पृष्ठ : २८, २५६, १६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।
२. **जैन एवं बौद्ध योग : एक तुलनात्मक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० १२८) *(I.S.B.N. 978-93-81571-52-5);* लेखिका : डॉ० सुधा जैन; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : १२, ३२७; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

4. आचार एवं नीतिशास्त्र :

1. **जैन धर्म में अहिंसा –** (ग्रं०मा०सं० १७) *(I.S.B.N. 978-93-81571-66-5);* लेखक : डॉ० बशिष्ठनारायण सिन्हा; द्वितीय संस्करण २००२; पृष्ठ : १६, ३१२; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३००।
२. **जैन और बौद्ध भिक्षुणी संघ –** (ग्रं०मा०सं० ३५); लेखक : डॉ० अरुण प्रताप सिंह; प्रथम संस्करण १९८६; पृष्ठ : १२, २६१; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १४०.००। **(अनुपलब्ध)**
3. **मूलाचार का समीक्षात्मक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० ४०); लेखक : डॉ० फूलचन्द जैन 'प्रेमी'; प्रथम संस्करण १९८७; पृष्ठ : २८, १५, ५४३; आकार : डिमाई; सजिल्द/अजिल्द, मूल्य : रु० १६०.०० ।
४. **जैनधर्म में श्रमण संघ –** (ग्रं०मा०सं० ४२, **लघु**); लेखक : डॉ० फूलचन्द्र जैन 'प्रेमी'; प्रथम संस्करण १९८७; पृष्ठ : ७, ८२; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २०।

५. **मानव जीवन और उसके मूल्य –** (ग्रं०मा०सं० ५५); लेखक : श्री जगदीश सहाय; प्रथम संस्करण १९९०; पृष्ठ : १०, १११; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।
६. **जैन नीतिशास्त्र : एक तुलनात्मक विवेचन –** (ग्रं०मा०सं० ७९); लेखिका : डॉ० प्रतिभा जैन; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : २३४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १८०.००।
7. **आचारांग का नीतिशास्त्रीय अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० ८०); लेखिका – डॉ० साध्वी प्रियदर्शना श्री; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : २९२, १२, ८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।
8. **गुणस्थान सिद्धान्त : एक विश्लेषण –** (ग्रं०मा०सं० ८७); लेखक : डॉ० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९६; पृष्ठ : ६, १३८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।
9. **भारतीय जीवन-मूल्य –** (ग्रं०मा०सं० ८९); लेखक : डॉ० सुरेन्द्र वर्मा; प्रथम संस्करण १९९६; पृष्ठ : ६, २२०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।
१०. **तीर्थंकर महावीर और उनके दशधर्म –** (ग्रं०मा०सं० १२१) *(I.S.B.N. 978-93-81571-45-2);* लेखक : प्रो० भागचन्द्र जैन भास्कर; प्रथम संस्करण १९९९; पृष्ठ : ९, १३६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ८०.००।
11. **समाधिमरण –** (ग्रं०मा०सं० १२४) *(I.S.B.N. 978-93-81571-48-7);* लेखक : डॉ० रज्जन कुमार; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : १०, २४; आकार डिमाई; अजिल्द, मूल्य : २६०.००।
12. **वसुनन्दि श्रावकाचार –** (ग्रं०मा०सं० १३१) *(I.S.B.N. 978-93-81571-55-X);* सम्पादक : डॉ० भागचन्द्र जैन; प्रथम संस्करण १९९९; पृष्ठ : ३४८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य: रु० २५०.००।
१३. **श्रावकधर्म विधि प्रकरण –** (ग्रं०मा०सं० १३२) *(I.S.B.N. 978-93-81571-58-4);* अनुवाद एवं सम्पादन : म० विनयसागर; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : ५६, आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।
14. **जीवन का उत्कर्ष: जैन दर्शन की बारह भावनाएँ** – (ग्रं०मा०सं० १५५) *(I.S.B.N. 978-93-81571-90-8);* लेखक : श्री चित्रभानु जी; प्रथम संस्करण २००८; पृष्ठ : १५, १५६; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य रु०: २००.००।

१५. **रात्रिभोजन त्याग आवश्यक क्यों**?- (ग्रं०मा०सं० १६१); लेखक : साध्वी **स्थितप्रज्ञा** श्री; प्रथम संस्करण २००९; पृष्ठ : १५, ४८; आकार : क्राउन; अजिल्द, मूल्य रु०: २०.००।

16. **जैन आचार-** (ग्रं०मा०सं० १७४) *(I.S.B.N. 978-93-81571-11-8);* लेखक : डा. मोहनलाल मेहता; द्वितीय संस्करण २०१२; पृष्ठ : १२, २४३; आकार : क्राउन; अजिल्द, मूल्य रु०: २५०.००।

17. **भावनाशतक** - मुनि श्री रत्नचन्द्र जी; प्रथम संस्करण १९३९; पृष्ठ : ४४०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।**(अनुपलब्ध)**

18. **अहिंसा की प्रासंगिकता -** लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण २००२; पृष्ठ : ६४, आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ५०.०० ।

19. **THE CONCEPT OF PANCAŚILA IN INDIAN THOUGHT-** *(S.N. 27) (I.S.B.N. 81-86715-14-2); by Dr. Kamla Jain; 1st Edition 1983; Pages 14, 274; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 150.00.*

20. **VALUES OF HUMAN LIFE -** *(S.N. 54) (ISBN 81-86715-10-X) by Jagadisha Sahaya; 1st Edition 1990; Pages VII, I08; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 60.00.*

21. **THE PATH OF ARHAT-** *A Religious Democracy - (S. N. 63) (I.SB.N. 81-86715-07-X) by T. U. Mehta; 1st Edition 1993; Pages XXII, 236; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 200.00.*

22. **AN INTRODUCTION TO JAINA SĀDHANĀ -** (S.N. 75) (I.S.B.N. 81- 86715-06-1) by *Prof. Sagarmal Jain*; 1st Edition *1995;* Pages 89; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 40.00.

23. **APARIGRAHA: THE HUMAN SOLUTION -** *(S.N. 110) (ISBN-81-86715-32-0); by Dr. Kamala Jain; 1st Edition 1998; Pages 104;* Size: Demy; Hard Bound, *Price Rs. 120.00.*

24. **PEACE, RELIGIOUS HARMONY AND SOLUTION OF WORLD PROBLEMS FROM JAINA PERSPECTIVE -** *by Prof. Sagarmal Jain; 1st Edition 2002; Pages 64; Size : Demy; Paper back, Price Rs. 50.00.*

5. इतिहास एवं परम्परा :

1. **मगध -** (ग्रं०मा०सं० ११, **लघु**); लेखक : श्री बैजनाथ सिंह 'विनोद'; प्रथम संस्करण १९५४; पृष्ठ : ६२; आकार : क्राउन; अजिल्द, मूल्य : रु० ३०.००।
२. **सुवर्णभूमि में कालकाचार्य -** (ग्रं०मा०सं० १३); लेखक : डॉ० उमाकान्त पी० शाह; प्रथम संस्करण १९५६; पृष्ठ : ५०; आकार : डबल क्राउन; अजिल्द, मूल्य: रु० २०.००।
3. **तीर्थंकर, बुद्ध और अवतार -** (ग्रं०मा०सं० ४२); लेखक : डॉ० रमेशचन्द्र गुप्त; प्रथम संस्करण १९८८; पृष्ठ : ७, ३५६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १४०.००।**(अनुपलब्ध)**
4. **अर्हत् पार्श्व और उनकी परम्परा -** (ग्रं०मा०सं० ४३); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९८७; पृष्ठ : ८१; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ४०.००।
5. **हरिभद्रसूरि का समय निर्णय -** (ग्रं०मा०सं० ४७, **लघु**); लेखक : मुनि श्रीजिनविजय जी; द्वितीय संस्करण १९८८; पृष्ठ : ७३; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २०.००।
६. **चार तीर्थंकर -** (ग्रं.मा.सं. ४९); लेखक : पं० सुखलाल संघवी; द्वितीय (पुनर्मुद्रित) संस्करण १९८९; पृष्ठ : ६, १४९; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।
७. **जैनधर्म की प्रमुख साध्वियाँ एवं महिलाएँ -** (ग्रं०मा०सं० ५७); लेखिका : डॉ० (श्रीमती) हीराबाई बोरदिया; प्रथम संस्करण १९९१; पृष्ठ : १६, ४८, ३२०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।
8. **जैन धर्म का यापनीय सम्प्रदाय -** (ग्रं०मा०सं० ५९) *(ISBN-81-86715-17-7);* लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९३; पृष्ठ : ४००; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।
9. **मध्यकालीन राजस्थान में जैन धर्म -** (ग्रं०मा०सं० ६१); लेखिका : डॉ० (श्रीमती) राजेश जैन; प्रथम संस्करण १९९२; पृष्ठ : २, ४९०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३५०.००।
१०. **महावीर निर्वाण भूमि पावा : एक विमर्श -** (ग्रं०मा०सं० ६१); लेखक : भगवती प्रसाद खेतान; प्रथम संस्करण १९९२; पृष्ठ : २३४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

११. **सिद्धसेन दिवाकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व –** (ग्रं०मा०सं० ९५) *(ISBN-81-86715-22-3);* लेखक : डॉ० श्रीप्रकाश पाण्डेय; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : १०९; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।

12. **तपागच्छ का इतिहास (भाग-१, खण्ड-१) –** (ग्रं०मा०सं० १३४) *(ISBN-81-86715-60-6);* लेखक : डॉ० शिवप्रसाद; प्रथम संस्करण २०००; पृष्ठ : १०, ३२८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ५००.००।

१३. **अचलगच्छ का इतिहास –** (ग्रं०मा०सं० १३५) *(ISBN-81-86715-61-4);* लेखक : डॉ० शिवप्रसाद; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : २४, २१२; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० २५०.००।

14. **स्थानकवासी जैन परम्परा का इतिहास –** (ग्रं०मा०सं० १४०) *(ISBN-81-86715-72-X);* लेखक : डॉ० सागरमल जैन एवं डॉ० विजय कुमार; प्रथम संस्करण २००३; पृष्ठ : १४, ६०८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ५००.००।

15. **POLITICAL HISTORY OF NORTHERN INDIA FROM JAINA SOURCES -** *(S.N. 2); by Dr. Gulab Chandra Choudhary; 1st Edition 1954; Pages 30, 450; Size: Crown; Hard Bound, Price Rs. 160.00.* ***(OUT OF PRINT)***

16. **AN EARLY HISTORY OF ORISSA -** *(S.N. 16); by Dr. Amar Chand Mittal; 1st Edition 1962; pp. 467+21; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 150.00.* ***(OUT OF PRINT)***

17. **LORD MAHAVIRA-** *(S.N. 38) (I.S.B.N. 81-86715-09-6); by Dr. Phool Chand; 1st Edition 1987; Pages 16, 120; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 80.00.*

18. **JAINISM: THE OLDEST LIVING RELIGION-** *(S.N. 44); by Dr. Jyoti Prasad Jain; 2nd Edition 1987; Pages 58; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 40.00.*

19. **JAINISM IN INDIA-** *(S.N. 90);* **Editor**: *Ganesh Lalwani; 1st Edition 1997; Pages 129; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 100.00.*

20. **I AM MAHĀVĪRA -** *(S.N. 138) (I.S.B.N. 81-86715-67-3); by Dr. N.L. Jain; 1st Edition 2002; Pages 8, 72; Size: Demy; Paper back, Price Rs.25.00 $ 1.00, 0.70 Sterling Pound.*

21. **JAINA RELIGION: ITS HISTORICAL JOURNEY OF EVOLUTION**- *(S.N. 154) (I.S.B.N. 81-86715-89-4);* Eng. Trans*: Dr. Kamla Jain*; 1st Edition 2007; Pages 124; Size: Crown; Hard Bound, Price Rs. 100.00.

22. **MAHĀVĪRA -** *by Amar Chand; 2nd Edition 1997; Pages 18; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 10.00.*

23. **THE HERITAGE OF THE LAST ARHAT MAHĀVĪRA-** *by Charlotte Krause; 2nd Edition 1997; Pages 30; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 25.00.*

6. साहित्य एवं साहित्य का इतिहास:

1. **मणिधारी जिनचन्द्रसूरि काव्याञ्जलि –** (ग्रं०मा०सं० ३); रचयिता : पं० बेचरदासजी; सम्पादक : डॉ० सागरमल जैन व डॉ० हरिहर सिंह; प्रथम संस्करण १९८१; पृष्ठ : ९, २२, ३०; आकार : क्राउन; अजिल्द, मूल्य : रु० २०.००। **(अनुपलब्ध)**

2. **जैन साहित्य के विविध आयाम (प्रथम खण्ड)** –(ग्रं०मा०सं० ४); सम्पादक : डॉ० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९८१; पृष्ठ : ८६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २०.००। **(अनुपलब्ध)**

3. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग १) –** (ग्रं०मा०सं० ६); लेखक : पं० बेचरदास दोशी; द्वितीय संस्करण १९८९; पृष्ठ : १६, ३३०; आकार : डिमाई;, सजिल्द, मूल्य : रु० २४०.००।

4. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग २) –** (ग्रं०मा०सं० ७); लेखक : डॉ० जगदीशचन्द्र जैन व डॉ० मोहनलाल मेहता; द्वितीय संस्करण १९८९; पृष्ठ : १८, ३६८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य: रु० २४०.००।

५. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग ३) –** (ग्रं०मा०सं० ११); लेखक : डॉ० मोहनलाल मेहता; द्वितीय संस्करण १९८९; पृष्ठ : ८+५१०; आकार: डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० २४०.०० ।

६. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग ४) –** (ग्रं०मा०सं० १२); लेखक : डॉ० मोहनलाल मेहता व प्रो० हीरालाल र. कापड़िया; द्वितीय संस्करण १९९१; पृष्ठ : १७, ३८६; आकार : डिमाइ;, सजिल्द, मूल्य: रु० १६०.००।

७. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग ५) –** (ग्रं०मा०सं० १४); लेखक : पं० अम्बालाल प्रे. शाह; द्वितीय संस्करण १९९३; पृष्ठ : ४०, २९४; आकार: डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० २४०.००।

८. **महामात्य वस्तुपाल का साहित्यमण्डल और संस्कृत में उसकी देन –** (ग्रं.मा.सं. १५); लेखक : डॉ० भोगीलाल ज. सांडेसरा; प्रथम संस्करण १९५९; पृष्ठ : २८०, ३४; ; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००। **(अनुपलब्ध)**

9. **सम्बोधसप्ततिका** (संस्कृत छाया, हिन्दी अनुवाद एवं पाद-टिप्पणी सहित) – (ग्रं०मा०सं० १७); अनुवादक : डॉ० रविशंकर मिश्र; प्रथम संस्करण १९८६; पृष्ठ : ४६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २०.००।

१०. **अपभ्रंश कथाकाव्य एवं हिन्दी प्रेमाख्यानक –** (ग्रं.मा.सं. १८); लेखक : डॉ० प्रेमचन्द्र जैन; प्रथम संस्करण १९७३; पृष्ठ : ११, ३६६; आकार डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।**(अनुपलब्ध)**

11. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग ६) –** (ग्रं०मा०सं० २०); लेखक : डॉ० गुलाबचन्द्र चौधरी; प्रथम संस्करण १९७८; पृष्ठ : ११, ७१०; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

१२. **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (भाग ७) –** (ग्रं०मा०सं० २४); लेखक : पं० के० भुजबल शास्त्री, श्री टी.पी. मीनाक्षी सुन्दरम् पिल्लै व डॉ० विद्याधर जोहरापुरकर; प्रथम संस्करण १९८१; पृष्ठ : १०, २४८, १६, ५; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १६०.००।

13. **वज्जालग्गं (जयवल्लभकृत) –** (ग्रं०मा०सं० ३४); सम्पादक एवं हिन्दी अनुवादक : पं० विश्वनाथ पाठक; प्रथम संस्करण १९८४; पृष्ठ : १५, ५२, ५१३; आकार : डिमाई; अजिल्द/ सजिल्द, मूल्य : रु० १६०.०० ।

14. **जैन मेघदूतम् (भूमिका, मूल, टीका एवं हिन्दी अनुवाद सहित) –** (ग्रं०मा०सं० ५१); लेखक : डॉ० रविशंकर मिश्र; प्रथम संस्करण १९८१; पृष्ठ : ६, ७४, १२५; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।

15. **हिन्दी जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (खण्ड १)** (आदिकाल से १६वीं शताब्दी तक) – (ग्रं०मा०सं० ५३); लेखक : डॉ० शितिकंठ मिश्र; प्रथम संस्करण १९८९; पृष्ठ : १५, ३७१; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ३६०.०० ।

१६. **हिन्दी जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (खण्ड २)** (१७वीं शती)– (ग्रं०मा०सं० ६६); लेखक : डॉ० शितिकण्ठ मिश्र; प्रथम संस्करण १९९२; पृष्ठ : ५५०, आकार : डिमाइ;, सजिल्द, मूल्य: रु० २७०.००।

१७. **नेमिदूतम् –** (ग्रं०मा०सं० ६८); व्याख्याकार : डॉ० धीरेन्द्र मिश्र; प्रथम संस्करण १९९४; पृष्ठ : ४६, १३९; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।

18. **शीलदूतम् –** (ग्रं०मा०सं० ६९); अनुवादक : साध्वी प्रमोद कुमारी एवं पं० विश्वनाथ पाठक; प्रथम संस्करण १९९३; पृष्ठ : ४२; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु०३०.००।

19. **मातृकापद शृंगाररसकलित गाथाकोश –** (ग्रं०मा०सं० ७१); अनुवादक : श्री भँवरलाल नाहटा; प्रथम संस्करण १९९४; पृष्ठ : १८, ७; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५.००।

20. **शृंगारवैराग्यतरंगिणी –** (ग्रं०मा०सं० ७३); अनुवादक : मुनि अशोक; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : १५, ३४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २०.००।

21. **जैनमहापुराण: कलापरक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० ७४); लेखिका : डॉ० कुमुदगिरि; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : २९३; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २२५.००।

22. **गाथासप्तशती –** (ग्रं०मा०सं० ७७); अनुवादक : पं० विश्वनाथ पाठक; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : १६८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

23. **निर्भयभीमव्यायोग –** (ग्रं०मा०सं० ८२); अनुवादक : डॉ० धीरेन्द्र मिश्र; प्रथम संस्करण १९९६; पृष्ठ : ६, २०, ३३; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३०.००।

24. **नलविलासनाटकम् –** (ग्रं०मा०सं० ८३); अनुवादक : डॉ० धीरेन्द्र मिश्र; प्रथम संस्करण : १९९८; पृष्ठ : ४१, १९८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।

25. **हिन्दी जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (खण्ड ३) –** (ग्रं०मा०सं० ९१); लेखक : डॉ० शितिकण्ठ मिश्र; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : १६, ६००; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

26. पञ्चाशक-प्रकरणम् - (ग्रं०मा०सं० ९२) (I.S.B.N. 81-86715-20-7); अनुवादक : डॉ० दीनानाथ शर्मा; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : १०४, ३६५; आकार ; डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २५०.००।

27. अष्टकप्रकरणम् - (ग्रं०मा०सं० १०२) (I.S.B.N. 81-86715-42-8); अनुवादक : डॉ० अशोक कुमार सिंह; प्रथम संस्करण २०००; पृष्ठ : ६, ४५, १३८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।

२८. कौमुदीमित्रानन्दरूपकम् - (ग्रं०मा०सं० १११) (I.S.B.N. 81-86715-34-7); अनुवादक : डॉ० श्यामनन्द मिश्र; पृष्ठ : ६, ४२, १९९; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १२५.००।

29. हिन्दी जैन साहित्य का बृहद् इतिहास (खण्ड ४) (१९वीं शताब्दी)- (ग्रं०मा०सं० ११५) (I.S.B.N. 81- 86715-39-8); लेखक : डॉ० शितिकण्ठ मिश्र; प्रथम संस्करण १९९९; पृष्ठ : ९, ३१४; सजिल्द, मूल्य : रु० २५०।

30. हिन्दी गद्य के विकास में जैन मनीषी पं० सदासुखदास का योगदान - (ग्रं०मा०सं० १३६) (ISBN-81-86715-65-7); लेखिका : डॉ० मुन्नी जैन; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : ३२, ३०८, १८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

31. षोडशकप्रकरणम् - (ग्रं०मा०सं० १४६) (ISBN-81-86715-79-7); अनुवादक : डॉ० भागचन्द्र जैन भास्कर; प्रथम संस्करण २००४; पृष्ठ : २३०; आकार : डिमाई; सजिल्द/ अजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

32. जैन कुमारसम्भवम- (ग्रं०मा०सं० १६२) (ISBN-81-86715-55-X); अनुवादक : डा. नीलमरानी श्रीवास्तवा; प्रथम संस्करण २०११; पृष्ठ : २१५; आकार : डिमाई, अजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

33. जैन एवं वैदिक परम्परा में द्रौपदी -(ग्रं०मा०सं० १६८) (I.S.B.N. 81-86715-54-1) डॉ० शीला सिंह, प्रथम संस्करण, २०१३, पृष्ठ : ५, २५; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य रु. ४५०.००।

३४. जैन साहित्य के विविध आयाम (द्वितीय खण्ड) - सम्पादक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९०; पृष्ठ : २५१; आकार : डिमाई; मूल्य : रु० ६०.००। **(अनुपलब्ध)**

35. नम्मयासुन्दरीकहा (हिन्दी अनुवाद सहित) - सम्पादक : डॉ० के०आर० चन्द्र; अनुवादक : डॉ० रमणीक भाई एम० शाह एवं पं० रूपेन्द्र कुमार पगारिया; प्रथम संस्करण १९८९; पृष्ठ : १४, १३२, १४०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

36. LITERARY EVALUTION OF PAUMACARIYAM - (S.N. 17, small); by *Dr. K. R. Chandra; 1st Edition 1966; Pages 46; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 20.00.* ***(OUT OF PRINT)***

७. संस्कृति एवं समाज :

1. बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन -(ग्रं.मा.सं. ८); लेखक : डॉ० कोमल चन्द्र जैन; प्रथम संस्करण १९६७; पृष्ठ : २४, २६८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य: रु० ३००.००। **(अनुपलब्ध)**

2. यशस्तिलक का सांस्कृतिक अध्ययन - (ग्रं.मा.सं. १०); लेखक : डॉ० गोकुलचन्द्र जैन; प्रथम संस्करण १९६७; पृष्ठ : २२, ३६, २५८; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

3. हरिभद्र-साहित्य में समाज एवं संस्कृति - (ग्रं०मा०सं० ७२); लेखिका : डॉ० श्रीमती कमल जैन; प्रथम संस्करण १९९४; पृष्ठ : २२५; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

4. जैन धर्म में नारी की भूमिका - (ग्रं०मा०सं० ७६); लेखक : प्रो० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९५; पृष्ठ : ४८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २०.००। **(अनुपलब्ध)**

5. वसुदेवहिण्डी: एक अध्ययन - (ग्रं०मा०सं० ९६) (I.S.B.N. 81-86715-24-X); लेखिका : डॉ० (श्रीमती) कमल जैन; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : १२, १६४; आकार : डिमाई; मूल्य : रु० १८०.००।

6. भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का अवदान - (ग्रं०मा०सं० १२३) (I.S.B.N. 81-86715-47-9); लेखक : डॉ० भागचन्द्र जैन भास्कर; प्रथम संस्करण १९९९; पृष्ठ : ६, ९२; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ८०.००।

7. **ज्ञाताधर्म का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० १४१) (I.S.B.N. 81-86715-73-8); लेखिका : डॉ० राजकुमारी कोठारी; प्रथम संस्करण २००३; पृष्ठ : १२, १८२; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।

8. **जैनधर्म और पर्यावरण संरक्षण –** (ग्रं.मा.सं. १४४) (I.S.B.N. 81-86715-77-0); सम्पादक : डॉ० शिवप्रसाद; प्रथम संस्करण २००३; पृष्ठ : ४, १०४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ५०.००।

9. **करकण्डचरिउ का सांस्कृतिक अध्ययन –** (ग्रं.म.सं. १५७) (I.S.B.N. 81-86715-92-4); लेखक : डॉ० कृष्ण कुमार करण; प्रथम संस्करण २००८; पृष्ठ : १५, २०४; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु०२५०.००।

10. **बृहत्कल्पसूत्रः एक सांस्कृतिक अध्ययन–** (ग्रं.मा.सं. १६३) (I.S.B.N. 81-86715-96-8); लेखक : डा० महेन्द्र प्रताप सिंह; प्रथम संस्करण २००९; पृष्ठ : १३६; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु०२५०.००।

11. **महावीरकालीन समाज, संस्कृति और दर्शन की वर्तमान में प्रासंगिकता–** (ग्रं.मा.सं. १६५) (I.S.B.N. 81-86715-99-1); लेखक : डा. नरेन्द्र कुमार पाण्डेय; प्रथम संस्करण २०१२; पृष्ठ : १९६; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ४००.००।

12. **THE CULTURAL STUDY OF THE NIŚĪTHA CŪRṆI -** *(S.N. 21) by Dr. Madhu Sen; 1st Edition 1975; Pages 12, 409; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 120.00.* ***(OUT OF PRINT)***

13. **JAINA CULTURE -** *by Mohan Lal Mehta, 2nd Editions 2002; Pages 10, 152; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 80.00.*

8. कला एवं स्थापत्यः

1. **जैन प्रतिमा विज्ञान –** (ग्रं०मा०सं० २५) (I.S.B.N. 81-86715-19-3); लेखक : डॉ० मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी; प्रथम संस्करण १९८१; पृष्ठ : १४, ३१६, ३४; आकार : डबल क्राउन; सजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

2. **खजुराहो के जैन मन्दिरों की मूर्तिकला –** (ग्रं०मा०सं० ३३); लेखक : डॉ० रत्नेश कुमार वर्मा; प्रथम संस्करण १९८४; पृष्ठ : १४, ८१; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ६०.००।

3. **भारत की जैन गुफाएं –** (ग्रं०मा०सं० ९३) (I.S.B.N. 81-86715-22-3); लेखक : डॉ० हरिहर सिंह; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : १००; आकार : डिमाई; सजिल्द/अजिल्द, मूल्य : रु० १५०.००।

4. **JAINA TEMPLES OF WESTERN INDIA-** (S.N. 26) (I.S.B.N. 8186715-05-3) by *Dr. Harihar Singh; 1st Edition 1982; Pages 16, 278, 64; Size: Double Demy; Hard Bound, Price Rs. 300.00.*

5. **STUDIES IN JAINA ART -** *(S.N.114) (I.S.B.N. 81-86715-38-X); by Dr. U.P. Shah; 2nd Edition 1998; Pages 14, 166, 38; Size: Double Crown; Hard Bound/ Paper back, Price Rs. 300.00.*

9. अर्थशास्त्रः

1. **प्राचीन जैन साहित्य में आर्थिक जीवन –** (ग्रं०मा०सं० ४६); लेखिका : डॉ० (श्रीमती) कमल जैन; प्रथम संस्करण १९८८; पृष्ठ : १२, २१२; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० १२०.००।

10. भाषा एवं भाषा विज्ञानः

1. **प्राकृत भाषा –** (ग्रं०मा०सं० ४); व्याख्याता : डॉ० प्रबोध बेचरदास पण्डित; प्रथम संस्करण १९५४; पृष्ठ : ५८; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३०.००।**(अनुपलब्ध)**

2. **प्राकृत दीपिका** – (ग्रं०मा०सं० २९) (I.S.B.N. *81-86715-82-7)*; लेखक : प्रो० सुदर्शन लाल जैन; द्वितीय संस्करण २००५; पृष्ठ : २०, २७२; आकार : क्राउन; अजिल्द/सजिल्द, मूल्य : रु० १००.०० (छात्र संस्करण); रु० २००.०० (पुस्तकालय संस्करण)।

3. **प्राकृत चिन्तामणि –** रचयिता : आचार्यप्रवर घासीलाल जी; प्रथम संस्करण १९८७; पृष्ठ : १६+१०८; आकार : डबल क्राउन; सजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।

4. **प्राकृत कौमुदी –** रचयिता : आचार्यप्रवर घासीलालाजी; प्रथम संस्करण १९८८; पृष्ठ : २०, ३५५; आकार : डबल क्राउन; मूल्य : रु० २००.००।
5. **JAIN PHILOSOPHY OF LANGUAGE- (S.N.145)** *(*I.S.B.N. *81-86715-77-0); by Prof. Sagarmal Jain; 1st Edition 2002; Pages 160; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 200.00.*

11. कोश एवं सुभाषित :

1. **जिनवाणी के मोती –** (ग्रं०मा०सं० १२९) *(*I.S.B.N. *81-86715-53-3);* अनुवादक एवं संग्रहकर्ता : दुलीचन्द जैन; द्वितीय संस्करण २०००; पृष्ठ : ३०४; आकार : डिमाई; सजिल्द, मूल्य : रु० ४००.००।
2. **प्राकृत-हिन्दी कोश –** (ग्रं०मा०सं० १७१) *(*I.S.B.N. *81-86715-49-5);* सम्पादक : डॉ० के०आर० चन्द्र; द्वितीय संस्करण २०१२; पृष्ठ : १५, ८९०; आकार : रायल आठपेजी; सजिल्द, मूल्य : रु० १२००.००।
3. **नानार्थोदयसागर कोष –** रचयिता : आचार्यप्रवर घासीलालजी; प्रथम संस्करण १९८८; पृष्ठ : १५, ३९२; आकार : डबल क्राउन; सजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।
4. **DOCTORAL DISSERTATIONS IN JAINA AND BUDDHIST STUDIES-** *(S.N. 30); Editors***:** *Dr. Sagarma1 Jain & Dr. Arun Pratap Singh, 1st Edition 1983; Pages 12, 100; Size: Demy, Hard Bound, Price Rs. 40.00.*
5. **PEARLS OF JAIN WISDOM-** *(S.N. 86) (I.S.B.N. 81-86715-18-5); Compiled by Shri Dulichand Jain; Edited by Dr. S. M. Jain & Dr. S. P Pandey; 2nd Edition 2005; Pages XXXII, 328; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 250.00.*
6. **ADVANCED GLOSSARY OF JAINA TERMS-** *(S.N. 151) (I.S.B.N. 81-86715-86-X);* by *Dr. N. l. Jain*; 1st Edition 2006; Pages VII, 2, 246; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 300.00.
7. **ENCYCLOPAEDIA OF JAIN STUDIES, VOL. I (Art & Architecture) -** *(S.N. 155) (I.S.B.N. 81-86715-89-5);* Editors: *Prof. MNP Tiwari, Prof. Kamala Giri, Prof. Harihar Singh*; 1st Edition 2010; Pages 20, 497; *Size: Double Demy; Hard Bound,* Price Rs. 4000.00.

१२. विज्ञान:

1. **जैन धर्म की वैज्ञानिक आधारशिला–** (ग्रं०मा०सं० १३९) *(ISBN-81-86715-71-1);* लेखक : डा० के. वी. मार्डिया; प्रथम संस्करण २००४; पृष्ठ : २४, १६६; साइज : डिमाई; सजिल्द, मूल्य: रु० २५०.००।
2. **SCIENTIFIC CONTENTS IN PRAKRIT CANONS -** *(S.No. 84) (I.S.B.N. 81-86715-11-8); by Dr. Nandlal Jain; 1st Edition 1996; Pages 515; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 400.00.*
3. **BIOLOGY IN JAINA TREATISE ON REALS -** *(S.N.120) (I.S.B.N. 81-86715-44-4); by Dr. N.L. Jain; 1st Edition 1999; Pages 204; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 150.00.*

13. मनोविज्ञान:

1. **JAINA PSYCHOLOGY- by** *Mohan Lal Mehta; 2nd Edition 2002; Pages 16, 220; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs. 120.00.*

14. तीर्थ:

1. **भारत के प्राचीन जैन तीर्थ –** (ग्रं०मा०सं० ८, **लघु**); लेखक : डॉ० जगदीशचन्द्र जैन; प्रथम संस्करण १९५२; पृष्ठ : ६८, २०; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य रु० ६०.००। **(अनुपलब्ध)**
2. **जैन तीर्थों का ऐतिहासिक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० ५६); लेखक : डॉ० शिवप्रसाद; प्रथम संस्करण १९९१; पृष्ठ : २८, ३३६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० ३००.००।

15. तन्त्र:

1. **जैन धर्म और तान्त्रिक साधना –** (ग्रं०मा०सं० ९४) (I.S.B.N. 81-86715-21-5); लेखक : डॉ० सागरमल जैन; प्रथम संस्करण १९९७; पृष्ठ : ५००; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २५०.०० एवं सजिल्द रु० ३५०.००।

16. काव्यशास्त्र:

1. **जैनाचार्यों का अलंकारशास्त्र में योगदान –** (ग्रं०मा०सं० ३२); लेखक : डॉ० कमलेशकुमार जैन; प्रथम संस्करण १९८४; पृष्ठ : १८, ३५६; आकार : डिमाई; अजिल्द/ सजिल्द, मूल्य : रु० १००.००।
2. **अलंकारदप्पण –** (ग्रं०मा०सं० ९८) (I.S.B.N. 81-86715-56-8); अनुवादक : भँवरलाल नाहटा; प्रथम संस्करण २००१; पृष्ठ : २४, ५६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० १२५.००।

17. शिक्षा:

1. **जैन एवं बौद्ध शिक्षा-दर्शन : एक तुलनात्मक अध्ययन –** (ग्रं०मा०सं० १४२) (I.S.B.N. 81-86715-74-6); लेखक : डॉ० विजय कुमार; प्रथम संस्करण २००३; पृष्ठ : १२, २३६; आकार : डिमाई; अजिल्द, मूल्य : रु० २००.००।
2. **NANDANAVANA**- (S.N.147) (ISBN 81-86715-80-0); by Dr. N. L. Jain; 1st Edition 2005; Pages 15, 567; Size: Demy; Paper back, Price Rs. 500.00.

18. अभिनन्दन एवं संस्मरण ग्रन्थ:

1. **ASPECTS OF JAINOLOGY: Vol. 1** *(Lala Harajas Rai Commemoration Volume) - Editor: Dr. Sagarmal Jain; 1st Edition 1987;* Pages *150; Size: Crown; Hard cloth Bound, Price Rs. 200.00.*
2. **ASPECTS OF JAINOLOGY: Vol. II** *(Pt. Bechardas Doshi Commemoration Volume) - Editors: Prof M.A. Dhaky, Prof Sagarmal Jain; 1st Edition 1987;* Pages *228, 140, 120; Size: Double Crown; Hard Cloth Bound, Price Rs. 250.00.* ***(OUT OF PRINT)***
3. **ASPECTS OF JAINOLOGY: Vol. III** *(Pt. Dalsukh Bhai Malvania Felicitation Volume) - (S.N. 103) (I.S.B.N. 81-86715-03-7); Editors: Prof. Madhusudana Dhaky and Prof. Sagarmal Jain; 1st Edition 1991;* Pages *32, 240, 206; Size: Crown 4to; Hard Cloth Bound, Price Rs. 250.00.*

4. **ASPECTS OF JAINOLOGY: Vol. IV** *(Golden Jubilee Volume) - (S.N.104); Editors: Prof Sagarmal Jain and Dr. A.K. Singh; 1st Edition 1994;* Pages *55, 252, 77; Size: Crown; Hard Cloth Bound, Price Rs. 350.00.*
5. **ASPECTS OF JAINOLOGY: Vol. V** *(Sri Svetambara Sthanakavasi Jaina Sabha, Calcutta Diamond Jubilee Seminar Volume) - (S.N.105) (I.S.B.N. 81-86715-28-2); Editors: Prof Sagarmal Jain & Dr. Ashok Kumar Singh; 1st Edition 1994;* Pages *166; Size: Crown; Paper back, Price Rs. 200.00.*
6. **ASPECTS OF JAINOLOGY VOL. VI** *(Dr. Sagarmal Jain Felicitation Vol.) - (S.N.106) (I.S.B.N. 81-86715-28-2); Editors: Dr. Sudarshanlal Jain, Dr. Dharmchand Jain, etc.; 1st Edition 1998;* Pages *996; Size: Double Demy; Hard cloth bound, Price Rs. 800.00.*
7. **ASPECTS OF JAINOLOGY. Vol. VII** *(Shri B.N. Jain Felicitation Vol.)* **-** *(S.N.107) (I.S.B.N. 81-86715-29-0); Editors: Dr. Sagarmal Jain, Dr. Shriprakash Pandey, Dr. Vijay Kumar Jain, Dr. Sudha Jain; 1st Edition 1998;* Pages *370; Size: Double Demy; Hard Cloth Bound, Price Rs. 300.00.*
8. **DR. CHARLLOTE KRAUSE: HER LIFE A LITERATURE Vol. I -** *(S.N.119) (I.S.B.N. 81-86715-43-6); Editors: Prof. Sagarmal Jain, Dr. Shriparakash Pandey; 1st Edition 1999;* Pages *664; Size: Demy; Hard Bound, Price Rs.500. $ 40-00.*

***